(गद्य-खंड) पाठ-7 प्रेमचंद

(दो बैलों की कथा)

प्रश्नोत्तर

प्र०-1→ कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

उ०-1 कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी निम्न कारणों से ली जाती होगी –

(i) कोई जानवर अगर भाग जाए तो तुरन्त पता लगाया जा सके।

(ii) नीलामी के लिए पशुओं की उचित संख्या का पता लगाने हेतु।

प्र०-2 छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

उ०-(i) लड़की की माँ नहीं थी, सौतेली माँ उसे बहुत मारती थी। इसीलिए बैलों से उसे आत्मीयता हो गई थी।

(ii) लड़की तथा दोनों बैल सदा प्यार से वंचित रहे थे इसलिए वह एक-दूसरे का दर्द समझते थे कि किसी अपने से बिछड़ने का दर्द क्या होता है।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

प्र० 1-3 कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभरकर आए हैं?

उ० 1-3 (i) यह कहानी हमें बताती है कि स्वतंत्र रहना किसी भी प्राणी का जन्मसिद्ध अधिकार है फिर चाहे वह मनुष्य हो या पशु।

(ii) इस कहानी का नीति-विषयक मूल्य यह है कि सच्ची मित्रता वही है जो हर सुख-दुख में हो।

(iii) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने 'एकता में शक्ति' का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

प्र० 1-4 प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की निम्न स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ "मूर्ख" का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उ०— प्रेमचंद ने उसकी स्वभाविक विशेषताओं को सरलता और सहनशीलता के आधार पर बताना चाहा है कि गधा कितना सरल और सहनशील प्राणी होता है। जानवर हो या मनुष्य सभी को क्रोध आता है। परन्तु एक मात्र गधा ही ऐसा प्राणी है जो सब अत्याचार चुपचाप सहन कर लेता है। गधे में निहित गुणों के आधार पर लेखक ने उसकी तुलना तहसीलदार से की है।

प्र० 1-5 किन-किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उ० (i) दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते थे।

(ii) नाद में खली-भूसा पड़ जाने के बाद दोनों साथ ही नाद में मुँह डालते और साथ ही बैठते थे।

(iii) कांजी हौस की दीवार के टूटने पर जब हीरा ने भागने से मना कर दिया तो अवसर होने के बावजूद भी मोती उसे छोड़कर नहीं भागा।

प्र० 6 "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है यह भूल जाते हो।" हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए?

उ०— हीरा के कथन से लेखक का दृष्टिकोण ज्ञात होता है कि उस समाज में स्त्रियों की स्थिति अच्छी नहीं थी। वे पुरुषों द्वारा शोषित थी। प्रेमचंद के मन में नारी जाति के प्रति सम्मान की भावना थी। नारी के प्रति प्रेमचंद का दृष्टिकोण अत्यन्त व्यापक है।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

प्र० 7।- किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

उ०।- प्रेमचंद ने किसान जीवन में मनुष्य तथा पशु के भावनात्मक सम्बन्धों को हीरा तथा मोती, दो बैलों के माध्यम से व्यक्त किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल मनुष्य ही नहीं अपितु पशु भी प्यार की भाषा समझता है।

प्र०।8 "इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे" - मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए?

उ०।- वह स्वार्थी नहीं है। वह खुद से पहले कांजीहौस में बंद जानवरों की जान बचाता है।

मोती सच्चा मित्र है। वह मुसीबत के समय हीरा का साथ नहीं छोड़ता है।

प्र०।9 आशय स्पष्ट कीजिए।—

(क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

(ख) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती, पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

उ०।(i) यहाँ लेखक का आशय पशुओं में एक-दूसरे के प्रति स्नेह एवं लगाव से है। जो मनुष्यों में देखने को नहीं मिलता है। हीरा और मोती एक-दूसरे से बिना कुछ कहे एक-दूसरे के भावों को समझ जाते थे।

(ii) यहाँ मनुष्य तथा पशुओं के आत्मीय सम्बन्धों को व्यक्त किया गया है। दिन भर के अत्याचार के बाद उस छोटी सी लड़की द्वारा प्रेम से दी गई वो एक रोटी भी उनके लिए भर पेट भोजन के समान थी उस रोटी से उनकी भूख तो नहीं मिटती थी परन्तु दोनों के हृदय को संतुष्टि मिलती थी।

07/10/19